भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2873
बुधवार, 17 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में पूर्व चेतावनी प्रणाली

2873. श्री आदित्य यादव:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले सहित देश में बाढ़, सूखा और चरम जलवायु घटनाओं जैसी आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए मौसम संबंधी और भूवैज्ञानिक आंकड़ों का उचित उपयोग किया है;

(ख) यदि हाँ, तो सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले सहित देश में कृषि और संवेदनशील समुदायों को जलवायु संबंधी खतरों से बचाने के लिए, कार्यान्वित या प्रस्तावित परियोजनाओं और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में अपर्याप्त आपदा तैयारी के क्या कारण हैं, और सतत विकास के लिए भूवैज्ञानिक विज्ञान के अनुप्रयोगों को सुदृढ़ करने हेतु सरकार की क्या रणनीति है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी हां। सरकार उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले सहित देश में बाढ़, सूखे और चरम जलवायु घटनाओं जैसी आपदाओं के जोखिम को कम करने के लिए मौसम विज्ञान और भूवैज्ञानिक डेटा का उपयोग कर रही है। देश में विभिन्न आपदाओं और चरम जलवायु घटनाओं के कारण कृषि पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) नामक एक योजना चलाता है, जो कृषक समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), राज्य कृषि विभागों, गैर-सरकारी संगठनों आदि जैसे विभिन्न अग्रणी संस्थानों को शामिल करते हुए मौसम पूर्वानुमान आधारित प्रचालन कृषि मौसम विज्ञान परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है। यह योजना किसानों को उनके दिन-प्रतिदिन के कृषि कार्यों से संबंधित सुविज्ञ निर्णय लेने में सहायता करती है ताकि चरम मौसमी घटनाओं यथा भारी वर्षा, बाढ़, सूखा आदि तथा देश में जलवायु खतरों के कारण होने वाले फसल के नुकसान और घाटे को कम किया जा सके और मौसम और जलवायु परिस्थितियों का लाभ उठाया जा सके।

जीकेएमएस के अंतर्गत, अगले 5 दिनों और बाद के सप्ताह के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान, सापेक्ष आर्द्रता, मेघ आच्छादन, हवा की गति और दिशा के लिए मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान सब डिवीजनल वार वर्षा और तापमान पूर्वानुमान भी आईएमडी द्वारा सृजित किए जाते हैं। आईएमडी द्वारा जारी किए गए मौसम पूर्वानुमान सहित वर्षा और अन्य मौसम मापदंडों के आधार पर, एएमएफयू अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले जिलों के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को विभिन्न मौसम स्थितियों के तहत कृषि मौसम एडवाइजरीज तैयार करते हैं और किसानों तक पहुंचाते हैं ताकि किसानों को फसलों और किस्मों के प्रकार के चयन, बुवाई, कटाई, उर्वरक और सिंचाई के लिए उपयुक्त समय जैसे कृषि कार्यों संबंधी सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद मिल सके।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रादेशिक मौसम केंद्रों (RMCs) तथा मौसम केंद्रों (MCs) द्वारा द्विसाप्ताहिक बुलेटिन के साथ ही लगभग रियल टाइम में दैनिक मौसम पूर्वानुमान एवं नाऊकाउस्ट सूचना भी प्रसारित किए जाते है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NWFC), नई दिल्ली, तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम केन्द्र (RMCs) एवं मौसम केंद्र (MCs) द्वारा देश के विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न जिलों हेतु जारी की गई गंभीर मौसम चेतावनियों के आधार पर AMFUs तथा DAMUs द्वारा कृषि हेतु प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (IBFs) भी तैयार किया जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूए एंड टी), मेरठ में स्थित 130 एएमएफयू में से एक एएमएफयू सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, फर्रुखाबाद, बागपत, गौतम बुद्ध नगर, अमरोहा, शामली, हापुड़ और संभल जिलों के लिए हर मंगलवार और शुक्रवार को अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में कृषि मौसम परामर्शिका तैयार करता है, जिसमें जिलों की प्रमुख फसलों के लिए फसल-विशिष्ट परामर्शिकाएँ शामिल होती है। यह केंद्र किसानों को वास्तविक समय मौसम पूर्वानुमान और द्वि-साप्ताहिक कृषि मौसम परामर्शिकाएँ देता है ताकि उन्हें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट, व्हाट्सएप, यूट्यूब, आदि जैसी मल्टीचैनल प्रसार प्रणाली के माध्यम से फसलों और किस्मों के प्रकार का चयन, बुवाई, कटाई, सिंचाई, उर्वरक अनुप्रयोग आदि का उपयुक्त समय जैसे कृषि कार्यों पर सूचित निर्णय लेने की सुविधा मिल सके। इसके अलावा, यह इकाई अन्य जीकेएमएस गतिविधियाँ भी करती है जैसे कि पारंपरिक कृषि मौसम वेधशाला से मौसम प्रेक्षणों की रिकॉर्डिंग, गंभीर मौसम की चेतावनी के दौरान कृषि के लिए आईबीएफ तैयार करना और प्रसार करना। इसके अलावा, बदायूं जिले सहित देशभर की ग्राम पंचायतों के लिए पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज मंत्रालय के ई-मानचित्र और आईएमडी, एमओईएस (https://mausamgram.imd.gov.in) के मौसमग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, आईसीटी में उन्नति होने के साथ ही किसान अब पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेघदूत' नामक मोबाइल ऐप पर अपने जिले विशेष की कृषि मौसम परामर्शिकाएं और चेतावनी समेत मौसम सूचना प्राप्त करते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के 'मौसम' ऐप के माध्यम से भी ये मौसमी विवरण किसानों के लिए उपलब्ध होते हैं। कृषि कार्यों संबंधी उचित निर्णय लेने के लिए किसानों को रियल टाइम में मौसम अपडेट देने के लिए, एएमएफयू मौसम पूर्वानुमान, गंभीर मौसम चेतावनी और कृषि मौसम सलाह का प्रसार करने के लिए 'व्हाट्सएप', 'फेसबुक', 'यू ट्यूब' आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अपनी सेवाओं को 24 राज्य सरकारों समेत उत्तर प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी (IT) प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया है, जिससे किसानों को अंग्रेजी और क्षेत्रीय दोनों भाषाओं में जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिल सके।

जीकेएमएस सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए, आईएमडी देश के विभिन्न क्षेत्रों में एएमएफयू के सहयोग से किसान जागरूकता कार्यक्रम (एफएपी) आयोजित करके कृषक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य कृषि विभागों, गैर सरकारी संगठनों और एसएयू सहित विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। इसके अतिरिक्त आईएमडी एएमएफयू के विशेषज्ञों के साथ, किसान मेलों, किसान दिवस कार्यक्रमों और क्षेत्र के दौरों में सक्रिय रूप से भाग लेता है जिससे इन मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ सीधे बातचीत की सुविधा मिलती है जिससे कृषक समुदाय के लिए उनके लाभ को बढ़ाया जा सके।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

******